



नं.: प्रशा/स.रा.स./रा.म.अ.सं./119/हि.दि./2024-25/1034

दिनांक: 19.08.2026

संदेश

हम प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते हैं। यह दिन हमारे लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया था। इस ऐतिहासिक निर्णय के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए राजभाषा हिंदी के विकास, प्रसार एवं समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करना हम सभी का दायित्व है।

हिंदी देश की व्यापक रूप से प्रयुक्त एवं जनसामान्य से जुड़ी भाषा है। समय के साथ हिंदी ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपयोगिता और स्वीकार्यता को निरंतर बढ़ाया है। व्यापार, वाणिज्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, संचार तथा जनसंचार के क्षेत्र में भी हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। तथापि, सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को संविधान की भावना और निर्धारित राजभाषा नीति के अनुरूप और अधिक बढ़ाए जाने की आवश्यकता है।

हिंदी में कार्य करना न केवल सहज एवं सरल है, बल्कि यह हमारे संवैधानिक दायित्व के निर्वहन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। अतः हम सभी अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करें तथा अपने सहकर्मियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें।

इस गौरवपूर्ण अवसर पर मैं संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे अपने कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करने का संकल्प लें और राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन में सक्रिय योगदान दें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सहयोग, उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता से हमारे संस्थान में हिंदी में कार्य करने की संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ किया जा सकेगा।

आइए, हम सब मिलकर हिंदी को केवल हिंदी दिवस तक सीमित न रखते हुए अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों का अभिन्न अंग बनाएँ।

इसी अपेक्षा एवं विश्वास के साथ।

(डॉ. अनुप अन्वीकर)
निदेशक

प्रतिलिपि:-

1. संस्थान के सभी वैज्ञानिक/अधिकारी/प्रभारी अधिकारी/कर्मचारीगण (ई-मेल द्वारा)।
2. सभी सूचनापट्ट।
3. श्री सैयद शमीम आदिल अंद्राबी, इन्टरफेस सूचना अधिकारी : कृपया संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

हमारे संस्थान में आपके हिन्दी पत्रों का स्वागत है।